

मंत्रालय (रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग) के आदेश सं. का.भा. 187(अ), तारीख 16 फरवरी, 1988 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश के नीचे की सारणी में, क्रम सं. 2 और 3 तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित क्रमसं. और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5
"2.	प्रेडनोसॉलिन टिकिया	5मिग्रा/टिकिया	10 × 10 का पत्ता	28.38
3.	प्रेडनोसॉलिन टिकिया	5मिग्रा/टिकिया	500 की बोतल	136.18"

[सं. 8(43)/87-पी आई(II)]

आर. एस. माथुर, संयुक्त सचिव और विकास
आयुक्त (मे.उ.)

टिप्पण: मूल आदेश भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3(ii), तारीख 16 फरवरी, 1988 में भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग) की अधिसूचना सं. का.भा. 187(अ), तारीख 16 फरवरी, 1988 द्वारा प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Chemicals and Petro-Chemicals)

Office of the Development Commissioner

(Pharmaceutical Industry)

New Delhi, the 31st August, 1988

ORDER

S.O. 838(B).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (6) of paragraph 9 of the Drugs (Price Control) Order, 1987, the Central Government hereby makes the following amendments in the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Chemicals and Petro-Chemicals) No. S.O. 187(B), dated the 16th February, 1988, namely :—

In the Table below the said order for serial numbers 2 and 3 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall respectively be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"2. Prednisolone Tablets	5mg/Tablet	10 x 10's Strip	28.38	
3. Prednisolone Tablets	5mg/Tablet	500's Bottle	136.18"	

[No. 8(43)/87-PI(II)]

R.S. MATHUR, Jt. Secy. & Development
Commissioner (PI)

Note : The principal order was published in the Gazette of India, Extraordinary, Par. II Section 3(ii) dated 16th February, 1988 vide Government notification, Ministry of Industry (Department of Chemicals and Petro-Chemicals) No. S.O. 187(E), dated 16th February, 1988.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY,

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 451]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 6, 1988/भाद्र 15, 1910

No. 451]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 6, 1988/BHADRA 15, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1988

का.प्र. 839(अ):—भूमिगत रेल (संक्रमण निर्माण) अधिनियम, 1978
की धारा 21(1)(ख) के अन्तर्गत अधिसूचनाएं

यह: केन्द्रीय सरकार की राय में ऐसा करना आवश्यक है कि कलकत्ता में भूमिगत (मेट्रो) रेलवे के निर्माण के लिए निम्नलिखित अनुसूची में वर्णित सभी इमारतों का या भूमिगत संरक्षण के ऊपर अथवा उनके किसी भी तरफ 20 मीटर के भीतर स्थित हो, अस्थायी रूप से खाली कराने का निर्देश दिया जाए, अतः एतद्वारा यह निर्देश दिया जाता है कि नाचे दी गयी अनुसूची में निर्दिष्ट परिसर में रहने वाले व्यक्ति अपने परिवार और सम्पत्ति सहित या इन परिसरों में रह रहे हों, साथ ही यदि कोई बस सामान अथवा पैशु, जो उनमें अधिरक्षा निषेधन या कब्जे में हो उसके सहित, उक्त इमारत का खाली कर दें।

प्रभावित व्यक्तियों को ऐग, अस्थायी वैकल्पिक स्थान, जिसे केन्द्रीय सरकार उपयुक्त समझे, निशुल्क उपलब्ध करने की अथवा एक ऐसी धनराशि का, जो सरकार की राय में वैकल्पिक स्थान का प्राप्ति करने के लिए पर्याप्त है, भुगतान करने की व्यवस्था की गयी है।

प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति को कार्यकारी इंजीनियर, (मुरंग) भूमिगत रेलवे से जो इस प्रयोजन के लिए महाप्रबन्धक, भूमिगत रेलवे के प्राधिकृत प्रतिनिधि हैं, सूचना प्राप्त होने के तौम दिन के भीतर यह निष्क्रमण कर देना चाहिए—(क) भूमिगत रेलवे कलकत्ता में अस्थायी तौर पर कोई निर्दिष्ट अस्थायी वैकल्पिक स्थान निशुल्क ग्रहण करने के लिए अथवा (ख) अस्थायी वैकल्पिक स्थान खरीदने के लिए भूमिगत रेलवे कलकत्ता से निर्दिष्ट धनराशि जो केन्द्र सरकार की राय में पर्याप्त हो। प्राप्ति करने के लिए अपने आप को पेश करने के लिए।

भारत परिचर संख्या	प्रभावित व्यक्तियों का नाम	निर्देशन
1	2	3
1. 839/72, मेला/डेय: राड, कलकत्ता-37	ना. ताजुमल हुसैन	प्रत्येक मामले में निष्क्रमण (खाली करने) की वास्तविक तारीख से लगभग 6 महीने की अवधि के लिए सभी बल संपत्ति और/अथवा सभी पशुओं सहित सभी व्यक्तियों का ऊपर बताये अनुसार निष्क्रमण।

[संख्या 87/एम टी की/सी/9/4]